एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

अजोला की खेती

(*शिशपाल कांटवा[1], मुकेश जाखड[2] एवं नरेन्द्र पादरा[1])
[1]सैम हिग्गिन्बोतोम कृषि प्रोधोगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज
[2]कीट विज्ञान विभाग, राजा बलवंत सिंह कृषि महाविद्यालय, बिचपुरी, आगरा
* shishpalkantwa08@gmail.com

एजोला एक जलीय तैरता हुआ फर्न है, जो धान की खेती के लिए उपयुक्त समशीतोष्ण जलवायु में पाया जाता है। फर्न पानी के ऊपर हरे रंग की चटाई के रूप में दिखाई देता है। नीली हरी शैवाल साइनोबैक्टीरिया (*एनाबेना एजोला*) निचली गुहाओं में इस फर्न के साथ सहजीवन के रूप में मौजूद होती है जो वास्तव में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को ठीक करती है। नाइट्रोजन की दर लगभग 25 किग्रा / हेक्टेयर है।

अजोला में पोषण मूल्य

- प्रोटीन (25-35%)
- कैल्शियम (67 मिलीग्राम/100 ग्राम)
- आयरन (7.3 मिलीग्राम/100 ग्राम)

अजोला की खेती की प्रक्रिया

- तालाब बनाने के लिए तालाब से मिट्टी खोदकर समान रूप से समतल करें उसके बाद पानी की कमी को रोकने के लिए तालाब के चारों ओर प्लास्टिक की चादर बिछा दें। सुनिश्चित करें कि तालाब कम से कम 20 सेमी गहरा खोदा गया है।
- बड़े पैमाने पर एजोला के लिए आपको टैंक का निर्माण करना चाहिए और मिट्टी को टैंक के नीचे समान रूप से वितरित करना चाहिए। मिट्टी की परत की गहराई लगभग 10 सेमी होनी चाहिए।
- कंक्रीट टैंक को पानी से तब तक भरें जब तक पानी मिट्टी से 10 से 15 सेमी की ऊंचाई तक न पहुंच जाए।
- एजोला को सुपर फॉस्फेट की जरूरत होती है।अजोला की जरूरत है कंक्रीट टैंक क्षेत्र के 1 से 1.5 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर की दर से गाय के गोबर को मिलाया जाना चाहिए। 4-5 दिन पुराने गोबर का प्रयोग करें।
- कीट के प्रकोप को रोकने के लिए टैंक में 2 ग्राम कार्बोफ्यूरान मिलाएं।
- ताजा अजोला खरीदें और पानी की सतह पर लगभग 200 ग्राम फैलाएं। पानी की सतह पर एक चटाई को ढकने में लगभग 2 सप्ताह लगते हैं।

- अजोला की खेती के लिए 30% धूप की जरूरत होती है और सीधी धूप पौधे को नष्ट कर देगी। यदि पेड़ के नीचे तालाब या तालाब बहुत सुरक्षित है। अन्यथा, नारियल के पत्तों को टैंक के ऊपर रखा जा सकता है, सर्दियों के दौरान ओस को भी रोकता है।
- दो सप्ताह के बाद, आप प्रति दिन 1.5 किलो अजोला की कटाई कर सकते हैं।

अजोला की खेती में बरती जाने वाली सावधानियां

- अच्छी उपज के लिए प्रदूषण मुक्त शुद्ध संस्कृति का रखरखाव आवश्यक है।
- अधिक भीड़ से बचने के लिए अजोला की नियमित कटाई करनी चाहिए।
- अच्छी वृद्धि के लिए तापमान एक महत्वपूर्ण कारक है। यह लगभग 35 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए। चारे के भूखंड को ठंडे क्षेत्रों में प्लास्टिक शीट से ढंकना है ताकि ठंड के मौसम के प्रभाव को कम किया जा सके।
- सीधी और पर्याप्त धूप वाली जगहों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। छायादार स्थान कम उपज देता है।
- माध्यम का पीएच 5.5 से 7 के बीच होना चाहिए।
- गाय के गोबर का घोल, सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे उपयुक्त पोषक तत्वों को आवश्यकता पड़ने पर पूरक किया जाना चाहिए।

अजोला के लाभ

- यह आसानी से जंगली में उगता है और नियंत्रित स्थिति में भी बढ़ सकता है।
- इसे खरीफ और रबी दोनों मौसमों में हरी खाद के रूप में आवश्यक बड़ी मात्रा में आसानी से उत्पादित किया जा सकता है।
- यह वायुमंडलीय CO_2 और नाइट्रोजन को क्रमशः कार्बोहाइड्रेट और अमोनिया बनाने के लिए स्थिर कर सकता है और अपघटन के बाद यह फसल के लिए उपलब्ध नाइट्रोजन और मिट्टी में कार्बनिक कार्बन सामग्री जोड़ता है।
- ऑक्सीजन प्रकाश संश्लेषण के कारण जारी ऑक्सीजन फसलों की जड़ प्रणाली के साथ-साथ अन्य मिट्टी के सूक्ष्मजीवों की श्वसन में मदद करती है।
- यह Zn, Fe और Mn को घुलनशील बनाता है और उन्हें चावल को उपलब्ध कराता है।
- एजोला धान के खेत में चरा और नितेला जैसे कोमल खरपतवारों को दबा देता है।
- एजोला पौधे के विकास नियामक और विटामिन जारी करता है जो चावल के पौधे की वृद्धि को बढ़ाता है।
- एजोला कुछ हद तक (20 किग्रा/हेक्टेयर) रासायनिक नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों का स्थानापन्न हो सकता है और यह फसल की उपज और गुणवत्ता को बढ़ाता है
- यह रासायनिक उर्वरकों की उपयोग क्षमता को बढ़ाता है